

कविता - अंबर की बातें क्या जानूं

नर्मदा प्रसाद खरे

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न-1 अंबर की बातें क्या जानूं शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

उत्तर-कविता का शीर्षक पूरी तरह सार्थक है क्योंकि हम जिस संसार में रह रहे हैं वह वास्तविक है। जबकि स्वर्ग लोक के बारे में हमने किस्से कहानियां ही सुनी हैं। अर्थात् वह हमारे लिए काल्पनिक लोक है। इस कविता में कवि ने जो देखा और महसूस किया उसी का बयान किया है।

प्रश्न-2 धरती और आकाश से हमें क्या क्या मिलता है?

उत्तर-धरती हमें फल, फूल हवा पानी तथा रहने के लिए घर देती है। आकाश हमें धूप, वर्षा और रोशनी देता है। धरती हमें सारे कष्ट सहते हुए खुश रहने का संदेश देती है और आकाश सबको अपनी छाया में रखने का संदेश देता है।

प्रश्न- 3 कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर-भाग्य के भरोसे हाथ पर हाथ रखकर बैठे रहने वालों को कवि अपनी धरती के गुण याद दिलाकर यह संदेश देना चाहता है कि ऐसा क्या है जो इस धरा- धाम पर पाया न जा सके। यह धरती हमें सब कुछ देने में समर्थ है। सभी पदार्थ और वस्तुएं यही दे सकती है इसलिए किसी कल्पना लोक को नहीं इस धरती को जानो।

प्रश्न-4 भाव स्पष्ट कीजिए-

(क) धरती पर पहला स्वर फूटा,

उत्तर-कवि को अपनी धरती से बहुत लगाव है। उसे उस पर बहुत अभिमान भी है, क्योंकि इस धरती पर कवि ने पहली बार बोलना सीखा। यह उसके बचपन की साथी है। इस पर हंसते-खेलते हुए वह बड़ा हुआ।

(ख) कांटो ने कठिन परीक्षा ले, जीवन का प्रेरक गीत दिया,

उत्तर-इन पंक्तियों में कांटो का अर्थ जीवन की कठिन परिस्थितियों से है। धरती पर रहकर ही वह कठिनाई का सामना करते हुए जीवन को साहस पूर्ण तरीके से जीने की प्रेरणा ली है। धरती ने कवि को साहसी और मजबूत बनाया है।

(ग) लपटों शोलों से खेला हूं शीतल बरसाते क्या जानूं?

उत्तर-कवि कहता है कि धरती पर रहकर उसने सभी प्रकार की मुसीबतें देखी हैं और उन्हें अपने जीवन में साहस के साथ शामिल किया है अंबर से होने वाली बरसातों के बारे में उसे कुछ नहीं पता वह नहीं जानता कि अंबर में किस प्रकार के सुख-दुख दुख होते हैं।